संपादकीय

# सीबीएसई का फैसला नि:संदेह महत्वपूर्ण पहल

अगले महीने से होने जा रही 10वीं और 12वीं बोर्ड की परीक्षाओं को पारदर्शी तरीके से कराने को लेकर केंद्रीय माध्यमिक परीक्षा बोर्ड (सीबीएसई) का फैसला नि:सदेह महत्त्वपूर्ण पहल है।

बोर्ड ने फैसला किया है कि अगर किसी परीक्षार्थी ने प्रश्नपत्र को सोशल मीडिया पर डाला तो उसकी चार वर्ष की परीक्षा रद्द कर दी जाएगी। यानी उस परीक्षार्त्रषी का मौजूदा पेपर तो रद्द होगा ही, साथ ही उसे अगले तीन वर्ष की परीक्षाओं में बैठने पर भी प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। दरअसल, बोर्ड की ऐसी सख्ती वक्त की मांग है। कई बार से ऐसा देखा गया है कि परीक्षार्थी उत्साह में आकर या बेवकूफी में प्रश्नपत्र को सोशल मीडिया पर वायरल कर देता है।

इससे बाहर यह सदेश जाता है कि परीक्षा निष्पक्ष नहीं हुई और यह सदेश फैलते क्षण भर की भी देरी नहीं होती कि प्रश्नपत्र लीक हो गया। जाने-अनजाने इससे भ्रम फैलता है और सरकार के साथ-साथ बोर्ड भी दबाव में आ जाती है। साथ ही ईमानदारी से परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों का मनोबल गिरता है। सीबीएसई ने इन मामलों की जांच के लिए एक कमिटी बनाई है, जिसकी सिफारिश के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

अनफेयर मीस के नियमों में ऐसे कई नियमों को शामिल किया गया है। यह देखने में आया है कि शैक्षणिक परीक्षाओं से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं तक में बड़े पैमाने पर अनियमितता और फर्जीवाड़ा किया जाता रहा। इन सबका प्रभाव देश की परीक्षा प्रणाली पर काफी बुरा पड़ता है। वैसे भी परीक्षा केंद्र में सीसीटीवी लगाने, परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन या कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के इस्तेमाल न करने का निर्देश देना उन छात्रों के लिए भी तो बुरी बात है।

यह सभी विद्यार्थियों के लिए निश्चित तौर पर सोचने-विचारने की बात है कि उनके लिए इतने सारे सख्त नियम-कायदे अमल में लाए जाएं। आखिर क्यों उन्हें परीक्षा में नकल करने या अनुचित व्यवहार करने के लिए विवश होना पड़ता है? इस बाबत उन स्कूलों, उन विद्यार्थियों और उनके परिजनों को भी सवेदनशील और संजीदा होकर मंथन करने की आवश्यकता है। गलत तरीकों से परीक्षा में अंक लाना बहादुरी नहीं है।

कॅरियर में आगे बढने के लिए ईमानदारी से किए गए प्रयास और दुनियादारी को समझना ही अच्छे अंक की गारंटी है। नकल करके प्रथम श्रेणी में पास होना विद्यार्थियों को क्षणिक खुशी तो देगा, मगर उन्हें जीवन पथ पर पीछे धकेल देगा।

# शार्प बिजनेस सिस्टम्स ने किया एनईसी इंडिया के डिस्प्ले बिजनेस का अधिग्रहण

**नई दिल्ली**

भारत के डिस्प्ले टेक्नोलॉजी क्षेत्र को नई दिशा देने की अपनी योजना के तहत, शार्प बिजनेस सिस्टम्स (इंडिया) ने एनईसी इंडिया के डिस्प्ले बिजनेस का अधिग्रहण किया है। इस कदम से शार्प के विज़ुअल सॉल्यूशंस पोर्टफोलियो में काफी विस्तार होगा, जो भारत के तेजी से बढ़ते डिस्प्ले बाजार के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को और भी मजबूत करेगा। यह अधिग्रहण रिटेल, शिक्षा, एविएशन, मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर और स्मार्ट सिटी जैसे प्रमुख क्षेत्रों को सशक्त बनाने में मदद करेगा।

यह साझेदारी दर्शाती है कि शार्प नवाचार के मामले में अग्रणी स्थान पर है, और भारत के विभिन्न क्षेत्रों में डिजिटल परिवर्तन को गति देने और बेमिसाल मूल्य प्रदान करने के लिए तैयार है। एनईसी डिस्प्ले बिजनेस के साथ मिलकर, शार्प अब बी2बी और विशेष बाजारों में प्रभावी तरीके से सेवाएँ देने में सक्षम है, जिससे भारतीय ग्राहकों को कस्टमाइज्ड समाधान, बेहतरीन कस्टमर सपोर्ट और डिस्प्ले टेक्नोलॉजीस की पूरी रेंज मिल सकेगी। शार्प उन इंडस्ट्रीज़ को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है, जहाँ 24/7 संचालन जरूरी हैं, जैसे कि मैन्युफैक्चरिंग, कंट्रोल सेंटर्स और एयरपोर्ट्स। यह मर्जर शार्प को अपने साझेदार क्षेत्र का और विस्तारित करने का अवसर देता है, जिससे नए क्षेत्रों में विकास के अवसर खुलते हैं और भारत में डिजिटल विकास में कंपनी की नेतृत्व की स्थिति और मजबूत होती है।

वर्तमान में शार्प बिजनेस सिस्टम्स (इंडिया) 'स्मार्ट बिजनेस सॉल्यूशंस' वर्टिकल के तहत डिजिटल मल्टीफंक्शनल प्रिंटर्स, इंटरएक्टिव व्हाइट बोर्ड्स और डायनाबुक लैपटॉप्स जैसे प्रोडक्ट्स की एक विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत करता है; लेकिन एनईसी डिस्प्ले बिजनेस के साथ मर्जर के बाद, यह अपनी मौजूदा पेशकशों को और भी बेहतर बना रहा है, और इसमें बड़े आकार के डिस्प्ले, वीडियो वॉल्स, प्रोजेक्टर्स, डायरेक्ट-व्यू एलईडी और सिनेमा प्रोजेक्टर्स को शामिल कर रहा है।

यह विस्तार न सिर्फ शार्प की इंटरएक्टिव डिस्प्ले में प्रसिद्ध विशेषज्ञता को बढ़ाता है, बल्कि ग्राहकों को हाई-परफॉर्मेंस सॉल्यूशंस की एक पूरी श्रृंखला प्रदान करता है, जो विभिन्न इंडस्ट्रीज़ की जरूरतों से बेहतरी से मेल खाती है। इसके अलावा, यह अधिग्रहण शार्प और एनईसी के मौजूदा भागीदारों के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि इससे प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और भी समृद्ध हो रहा है।

ओसामु नारिता, मैनेजिंग डायरेक्टर, शार्प बिजनेस सिस्टम्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, ने कहा, "भारत में एनईसी डिस्प्ले बिजनेस के अधिग्रहण से हमें भारत के विज़ुअल सॉल्यूशंस बाजार में नवाचार की शुरुआत करने में मदद मिलेगी। एनईसी की विश्व स्तर की टेक्नोलॉजीस को शार्प के इनोवेटिव डिस्प्ले के साथ मिलाकर, हम कस्टमाइज्ड, हाई-परफॉर्मेंस डिस्प्ले सॉल्यूशंस की बढ़ती माँग की आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं।

यह मर्जर हमारे प्रोडक्ट्स की पेशकश में इजाफा करने के साथ ही, हमारे ग्राहकों को बेहतरीन सेवा और सहायता प्रदान करने की हमारी क्षमता को मजबूत करता है। हम विभिन्न इंडस्ट्रीज़ की विशिष्ट जरूरतों के अनुसार कस्टमाइज्ड सॉल्यूशंस विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि हमारे ग्राहक अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और विश्वसनीयता का पूरा लाभ उठा सकें।"

पुनीत मल्हान, जनरल मैनेजर, डिस्प्ले बिजनेस, शार्प बिजनेस सिस्टम्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, ने कहा, "हम भारत के बाजार में शार्प और एनईसी की दोगुनी शक्ति को पेश करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह अधिग्रहण हमें एक अधिक गतिशील और विविध प्रोडक्ट पोर्टफोलियो पेश करने में सक्षम बनाता है, जिससे नवाचार को बढ़ावा मिलता है और हमारे ग्राहकों का हम पर भरोसा और भी मजबूत होता है। हमें शहरी और उभरते क्षेत्रों में विकास की जबरदस्त संभावना दिखाई देती है, जो भारत के डिजिटल परिवर्तन और वर्ष 2047 के विजन के साथ पूरी तरह मेल खाती है।"

शार्प का उद्देश्य भारत के लिए ऐसे किफायती और ऊर्जा कुशल प्रोडक्ट्स को लॉन्च करना है, जो देश के पर्यावरणीय लक्ष्यों के अनुरूप हों। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स और ई-कॉमर्स तथा हेल्थकेयर जैसे बढ़ते हुए क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए, शार्प टियर-2 और टियर-3 शहरों में अपने अत्याधुनिक समाधानों का विस्तार करने की योजना बना रहा है।

## राहुल द्रविड़ की कार को ऑटो ने मारी टक्कर, गुस्से में नजर आए पूर्व कोच

**नईदिल्ली।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच राहुल द्रविड़ को क्रिकेट का जेंटलमैन कहा जाता है, क्योंकि उनका स्वभाव ज्यादातर शांत ही देखा गया है. बहुत कम ही ऐसा हुआ होगा कि उन्हें गुस्सा आया हो, लेकिन हाल में उन्हें बेंगलुरु के सडक़ पर गुस्से में देखा गया. दरअसल राहुल द्रविड़ मंगलवार शाम बेंगलुरु में एक सडक़ हादसे का शिकार हो गए. उनकी कार को एक ऑटो ने पीछे से टक्कर मार दी. जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है.

रिपोर्ट्स की माने तो यह घटना 4 फरवरी शाम करीब 4 बजे बेंगलुरु के कनिंघम रोड पर हुई. दरअसल, वहां राहुल द्रविड़ की कार खड़ी थी. तभी पीछे से आ रहे एक ऑटो ने उनकी कार को हल्की टक्कर मार दी. हालांकि घटना में कोई घायल नहीं हुआ. वहीं टक्कर लगते ही द्रविड़ तुरंत कार से बाहर निकले और गाड़ी को देखने लगे कि कितना नुकसान हुआ है. इस दौरान उन्हें ऑटो चालक से मामूली बहस करते हुए देखा गया.

## एटीएम से कैश निकालना हो सकता है महंगा, फीस बढ़ाने की तैयारी में आरबीआई

**नई दिल्ली**

अगर आप भी हर महीने एटीएम से कैश निकालते हैं या डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल न करके कैश पेमेंट करते हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। रिजर्व बैंक एटीएम से कैश निकालने पर फीस बढ़ाने पर विचार कर रहा है। वर्तमान में, रिजर्व बैंक महीने में 5 मुफ्त कैश विथड्रावल प्रदान करता है। हालांकि, अब आरबीआई इन 5 लेनदेन की सीमा से अधिक पर लगने वाले चार्ज और एटीएम इंटरचेंज फीस को बढ़ाने की योजना बना रहा है। हिंदू बिजनेसलाइन की रिपोर्ट के अनुसार, आपको ्रज्जरू से कैश निकालने के लिए अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं।

कितना बढ़ेगा चार्ज?

रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई ने पांच बार मुफ्त सीमा पूरी होने के बाद कैश निकालने के चार्ज को मौजूदा 21 रुपये से बढ़ाकर 22 रुपये करने की सिफारिश की है। इसके अलावा, आरबीआई ने कैश लेनदेन के लिए एटीएम इंटरचेंज फीस को 17 रुपये से बढ़ाकर 19 रुपये करने की भी सिफारिश की है। इंटरचेंज फी दूसरे बैंक के एटीएम से एक सीमा के बाद पैसे निकालने पर लगाई जाती है। यानी कि यह एटीएम सर्विस इस्तेमाल करने के बदले एक बैंक की तरफ से दूसरे बैंक को दी जाने वाली फीस है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बैंक और व्हाइट-लेबल एटीएम ऑपरेटर मेट्रो और नॉन-मेट्रो शहरों में फीस बढ़ाने की आरबीआई की सिफारिश से सहमत हैं। हालांकि, अभी इस मामले में भारतीय रिजर्व बैंक और आरबीआई ने कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ती महंगाई और पिछले दो सालों में 1.5-2 प्रतिशत की दर से बढ़ते उधार लागत, ट्रांसपोर्टेशन पर ज्यादा खर्च, कैश रीप्लेनिशमेंट और लागत के कारण नॉन-मेट्रो शहरों में एटीएम चलाने का खर्चा तेजी से बढ़ रहा है।

# बेथ मूनी की जगह एश्ले गार्डनर बनीं गुजरात जायंट्स की कप्तान

**नई दिल्ली**

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल ) के 2025 सीजन से पहले, गुजरात जायंट्स ने ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर को अपना कप्तान नियुक्त किया है। वह अपनी ऑस्ट्रेलियाई साथी बेथ मूनी की जगह लेंगी, जिन्होंने डब्ल्यूपीएल 2024 में गुजरात की कप्तानी की थी।

गुजरात डब्ल्यूपीएल के पहले दो सीजन में अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी और अब वह 14 फरवरी को वडोदरा में गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अपने डब्ल्यूपीएल 2025 सीजन की शुरुआत में अपनी किस्मत बदलने की कोशिश कर रही है।

गुजरात जायंट्स की कप्तानी मिलना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मुझे इस टीम का हिस्सा बनना बहुत पसंद है और मैं आगामी सीजन में इस शानदार ग्रुप का नेतृत्व करने के लिए उत्साहित हूं।

फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में एश्ले ने कहा, हमारे पास युवा और अनुभवी खिलाडिय़ों का एक बेहतरीन मिश्रण है और हमारी टीम में बहुत सारी भारतीय प्रतिभाएं हैं। मैं टीम के साथ काम करने और अपने प्रशंसकों को गौरवान्वित करने के लिए उत्सुक हूं। एश्ले 2017 से ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ नियमित रूप से जुड़ी हुई हैं और दो बार बेलिंडा क्लार्क पुरस्कार विजेता हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और दक्षिण अफ्रीका में 2023 महिला टी20 विश्व कप में प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट रहीं।

2023 में डब्ल्यूपीएल की शुरुआत के बाद से, एश्ले गुजरात जायंट्स की टीम का एक अभिन्न हिस्सा रही हैं, उन्होंने 324 रन बनाए हैं और 17 विकेट लिए हैं। मुख्य कोच माइकल क्लिंगर ने एश्ले के नेतृत्व में अपना विश्वास व्यक्त किया और पिछले सीजन में टीम की कप्तान होने के लिए बेथ को धन्यवाद दिया। वह एक ज़बरदस्त प्रतियोगी हैं। उनकी खेल जागरूकता, सामरिक कौशल और खिलाडिय़ों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें गुजरात जायंट्स की कप्तानी के लिए आदर्श विकल्प बनाती है।

## डेविड मिलर ने रचा इतिहास, 500 छक्के लगाने वाले साउथ अफ्रीका के पहले खिलाड़ी बने

**नईदिल्ली**

साउथ अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज डेविड मिलर ने इतिहास रच दिया है. उन्होंने वो कारनामा कर दिया हो जो साउथ अफ्रीका को कोई खिलाड़ी नहीं कर सका. साउथ अफ्रीका के 2 दिग्गज खिलाड़ी एबी डिविलियर्स और फॉफ डुप्लेसी भी डेविड मिलर से पीछे रह गए. दरअसल एसए20 लीग में डेविड मिलर ने अपने टी20 क्रिकेट में 500 छक्के पूरे किए. इसी के साथ डेविड मिलर टी20 क्रिकेट में 500 छक्के लगाने साउथ अफ्रीका के पहले बल्लेबाज बन गए हैं.

एसए20 लीग में डेविड मिलर पर्ल रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं. 4 फरवरी को एमआई केपटाउन और पार्ल रॉयल्स के बीच एसए20 का पहला क्वलीफायर खेला गया. इस मैच में डेविड मिलर ने टी20 क्रिकेट में अपना 500वां छक्का पूरा किया. खास बात यह है कि उन्होंने अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान की गेंद पर छक्का जड़ अपना 500वां टी20 छक्का पूरा किया.

डेविड मिलर टी20 क्रिकेट में 500 छक्के लगाने वाले साउथ अफ्रीका के पहले खिलाड़ी बन गए हैं. वहीं इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर एबी डिविलियर्स हैं. उन्होंने ओवरऑल टी20 क्रिकेट में कुल 436 छक्के लगाए हैं. क्विंटन डिकॉक 432 छक्के के साथ तीसरे नंबर पर हैं. जबकि फॉफ डुप्लेसी 416 टी20 छक्के लगाए हैं.

डेविड मिलर: 518 मैचों में 500 छक्के

एबी डिविलियर्स: 340 मैचों में 436 छक्के

क्विंटन डी कॉक: 379 मैचों में 432 छक्के

फाफ डु प्लेसिस: 403 मैचों में 416 छक्के

रिली रोसो: 367 मैचों में 382 छक्के

वहीं डेविड मिलर ओवरऑल टी20 क्रिकेट में 500 छक्का लगाने वाले दुनिया के 10वें खिलाड़ी बन गए हैं. इससे पहले वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी क्रिस गेल, कायरन पोलार्ड और आंद्रे रसेल जैसे खिलाड़ी ये कारनामा कर चुके हैं. क्रिस गेल तो दुनिया के अकेले ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने टी20 क्रिकेट में 1000 से ज्यादा सिक्स लगाए हैं. गिल ने टी20 क्रिकेट में 1056 छक्के लगाए हैं.

## आज का राशिफल

**मेष-** आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपने विचारों के साथ-साथ दूसरे लोगों के विचारों पर भी गौर देने की जरूरत है। आय के साधन बढऩे के साथ-साथ खर्चों की भी अधिकता बनी रहेगी। बाहरी व्यक्तियों का हस्तक्षेप अपने व्यक्तिगत कार्यों पर ना होने दें।

**वृष-** आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप अपने संपर्क में आने आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे। विचारों में स्थिरता और दृढ़ता रहने से आप अपने कार्यों को अच्छी तरह कर पाएंगे। सामाजिक रूप से मान-प्रतिष्ठा बनी रहेगी।

**मिथुन-** आज का दिन आपके लिए बहुत बढिय़ा रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स को आज किसी कंपनी से नये जॉब के लिए कॉल आ सकती है। साथ ही कम्प्यूटर कोर्स ज्वॉइन करना चाहते है तो आज का दिन शुभ है।

**कर्क-** आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। अगर आज नये बिजनेस की शुरूआत करने की सोच रहें है तो आज का दिन आपके लिए शुभ है। जीवनसाथी के सहयोग से आपको किसी बड़े काम में सफलता मिलेगी।

**सिंह-** आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज उन चीजों को महत्व दें जो सच में आपके लिए महत्वपूर्ण हैं। आपको अपने दोस्तों और काम के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा, जिससे आपको ज्यादा से ज्यादा काम करने का समय मिल सके।

**कन्या-** आज आपका दिन खास रहेगा। आज रास्ते में जाते समय आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है, जिसका फायदा आपको भविष्य में अवश्य मिलेगा। असमंजस की स्थिति में परिवार वालों की सलाह लेना अच्छा रहेगा।

**तुला-** आज का दिन आपके लिए ठीक रहेगा। किसी काम को करने में आज आपके सामने कठिनाइयां आएंगी, आप अपनी सूझ-बूझ से उनसे निपटने में सफल होंगे। आज समाज में आपको अपनी कार्यशीलता के लिए सम्मानित किया जा सकता है।

**वृश्चिक-** आज पुराने विचारों को छोडक़र नए विचारों को अपनाएंगे। आपके इस विचार को देखकर परिवार का मन उत्साह से भर जाएगा। साथ ही आज घर पर अपना मनपसंद खाना खा सकते है।

**धनु-** आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। इस राशि के बिजनेसमैन आज किसी जरूरी काम से विदेश की यात्रा कर सकते है। यात्रा लाभदायक होगी। कारोबार में बहुत सावधानी रखने की जरूरत है।

**मकर-** आज आपका दिन राहत से भरा रहेगा। आर्थिक स्थिति में आज सुधार आएगा। समय का उचित सदुपयोग करें। सामाजिक गतिविधियों में आपके विचारों को विशेष प्राथमिकता मिलेगी।

**कुंभ-** आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन लेना आपके लिए सहायक रहेगा। किसी विदेशी कम्पनी से जॉब के लिए कॉल आ सकती है। घर का माहौल सुखद और शांतिपूर्ण बना रहेगा।

**मीन-** आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बिजनेस में आपको फायदा मिलने वाला है। उधार दिया हुआ पैसा आज वापस मिलेगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा।

## फिल्म नादानियां का पहला गाना इश्क में जारी, खुशी-इब्राहिम की दिखी खूबसूरत केमिस्ट्री

अभिनेता सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। वह कुछ समय से अपनी पहली फिल्म नादानियां को लेकर चर्चा में हैं।

इस फिल्म में इब्राहिम की जोड़ी जाह्नवी कपूर की बहन और अभिनेत्री खुशी कपूर के साथ बनी है। आर्चीज और लवयापा के बाद यह उनके करियर की तीसरी फिल्म है।

अब नादानियां का पहला गाना इश्क में रिलीज हो गया है, जिसमें खुशी-इब्राहिम की खूबसूरत केमिस्ट्री दिख रही है।

इश्क में गाने को सचेत टंडन, असीस कौर और सचिन-जिगर ने अपनी आवाज दी है, वहीं इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं।

फिल्म में इब्राहिम ने नोएडा के मध्यमवर्गीय परिवार के एक मेहनती लडक़े का किरदार निभाया है, वहीं खुशी इसमें दिल्ली की हिम्मती लडक़ी पिया की भूमिका में होंगी।

शाउना गौतम ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है।

हालांकि रिलीज की तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है, लेकिन नादानियां में खुशी ने दक्षिण दिल्ली की लडक़ी पिया का किरदार निभाया है, जबकि इब्राहिम ने नोएडा के एक मध्यम वर्ग के लडक़े अर्जुन का किरदार निभाया है।

## सलमान खान की फिल्म सिकंदर में शामिल हुईं वरुण धवन की भतीजी अंजिनी धवन, जताई खुशी

अभिनेता सलमान खान काफी समय से अपनी आगामी फिल्म सिकंदर को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की शूटिंग अपने आखिरी चरण में है।

इस फिल्म में सलमान की जोड़ी रश्मिका मंदाना के साथ बनी है। यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे।

प्रतीक बब्बर और सत्यराज जैसे सितारे भी इस फिल्म में अभिनय करते नजर आएंगे।

अब सिकंदर की स्टार कास्ट में वरुण धवन की भतीजी और अभिनेत्री अंजिनी धवन शामिल हो गई हैं।

पिछले काफी समय से खबर आ रही थी कि निर्माताओं ने फिल्म में अहम भूमिका निभाने के लिए अंजिनी से संपर्क किया था।

## पपीता ही नहीं इसके बीज खाने के भी हैं कमाल के फायदे

पपीते का सेवन करना न केवल पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद है, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, त्वचा में निखारने और वजन कम करने में भी मदद करता है. लेकिन पपीता खाने के बाद लोग इसके बीजों को कूड़ा समझकर फेंक देते हैं. पपीते के बीज औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं और सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकते हैं. पपीते के बीजों में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन, मिनरल्स और विटामिन मौजूद होते हैं, जो शरीर को डिटॉक्स करने के साथ-साथ कई स्वास्थ्य समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करते हैं. आज हम आपको पपीते के बीज के फायदे और उनका इस्तेमाल कैसे करें के बारे में बताएंगे.

पपीते के बीज के फायदे-

1. पपीते के बीज का सेवन करने से लीवर और किडनी को डिटॉक्सीफाई करने में मदद मिल सकती है. ये शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक होते हैं.

2. पपीते के बीजों में पपेन नामक एंजाइम पाया जाता है, जो पाचन में मदद करता है. ये पेट के कीड़ों को खत्म करने और कब्ज से राहत दिलाने में भी कारगर होता हैं.

3. पपीते के बीज में ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करके दिल को स्वस्थ रखने में मदद करता है.

4. पपीते के बीज में भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो भूख को नियंत्रित करने में मदद करता है, जिससे वजन में सहायता मिलती है. साथ ही वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है.

5. इसके अलावा पपीते के बीज में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट शरीर की रेसिस्टेंस केपिसिटी को बढ़ाने में मदद करते हैं, जिससे बीमारियों का खतरा कम हो जाता है.

ऐसे करें पपीते के बीज का इस्तेमाल-

1. आप पपीते के बीजों को सलाद में डालकर खा सकते हैं. ये सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं. इसके लिए आपको पपीते के बीजों को हल्का भून लेना है इसके बाद इन्हें सलाद में मिलाकर खा सकते हैं.

2. पपीते के बीज का स्वाद कड़वा होता है. ऐसे में आप इन्हें शहद के साथ मिलाकर खा सकते हैं

3. पपीते के बीजों का सेवन करने से शरीर को डिटॉक्स करने में मदद मिलती है. अगर आप भी शरीर को डिटॉक्स करना चाहते हैं तो पानी में कुछ बीजों को पानी में उबालकर कर पिएं. ऐसा करने से शरीर को डिटॉक्स करने में मदद मिलेगी.

## शब्द सामर्थ्य- 318

**बाएं से दाएं**

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

**ऊपर से नीचे**

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

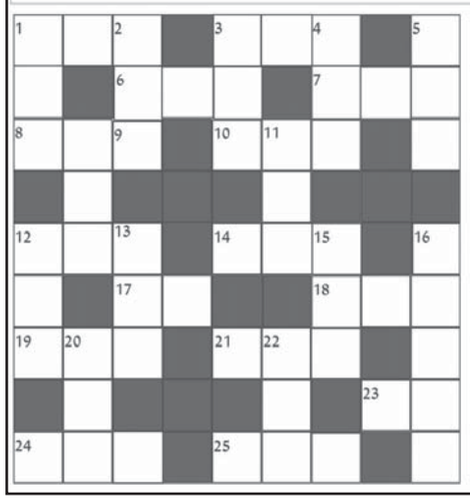

**शब्द सामर्थ्य क्रमांक 317 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अं | त | ■ | म | री | ज | ■ | ■ | ■ |
| ग | ह | न | ता | ■ | ब | र | ब | स |
| ■ | की | ■ | धि | क्का | र | ■ | र | मा |
| ■ | का | ■ | का | ■ | द | वा | खा | ना |
| प | त | वा | र | ■ | स्त | र | ■ | ■ |
| ह | ■ | ■ | ■ | ■ | ■ | दा | मि | नी |
| ना | ■ | ए | ह | ति | या | त | ■ | लां |
| वा | च | क | ■ | हा | ■ | ■ | खू | ब |
| ■ | ■ | ता | ब | ड़ | तो | ड़ | ■ | र |

## सू-दोकू- 318

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 3 | | | | | 7 | |
| 9 | | | | 6 | | 3 | | 8 |
| | 7 | | 9 | | 5 | | 6 | |
| | | | | | | 1 | | 9 |
| 3 | | 8 | | 7 | | | 5 | |
| | 1 | | 3 | | 9 | | | 7 |
| | | 2 | | 8 | | 7 | | |
| | 8 | | | | 2 | | 4 | 3 |
| | | | 1 | | | | | |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.317 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 2 | 4 | 9 | 6 | 7 | 8 | 1 | 3 |
| 3 | 6 | 7 | 4 | 1 | 8 | 2 | 9 | 5 |
| 8 | 1 | 9 | 3 | 2 | 5 | 4 | 6 | 7 |
| 6 | 3 | 5 | 1 | 9 | 4 | 7 | 2 | 8 |
| 7 | 9 | 8 | 5 | 3 | 2 | 6 | 4 | 1 |
| 2 | 4 | 1 | 7 | 8 | 6 | 5 | 3 | 9 |
| 4 | 5 | 3 | 6 | 7 | 9 | 1 | 8 | 2 |
| 9 | 8 | 6 | 2 | 5 | 1 | 3 | 7 | 4 |
| 1 | 7 | 2 | 8 | 4 | 3 | 9 | 5 | 6 |